150th Anniversary of Universal Postal Union

The Universal Postal Union (UPU) was established on October 9, 1874, in Bern, Switzerland. This year marks the 150th anniversary of the UPU, a milestone that not only highlights its enduring legacy but also underscores its pivotal role in shaping modern postal services. It was founded to create a single postal territory for the reciprocal exchange of mail among its member countries. The UPU was one of the first international organizations, and its establishment marked a significant step towards global cooperation in postal services.

The creation of the UPU was driven by the need for standardized postal regulations and practices to facilitate international mail delivery. With its 192 member countries, the UPU is the primary forum for cooperation between postal sector players. It helps to ensure a truly universal network of up-to-date products and services. Before the UPU's inception, sending mail across borders was fraught with challenges. Different countries had their postal systems, rates, and regulations, which made international correspondence cumbersome and expensive.

The UPU's structure consists of several key organs that ensure its efficient functioning and oversight, **The Congress, The Council of Administration, The Postal Operations Council , The Consultative Committee , The International Bureau**.

The Universal Postal Union (UPU) is dedicated to promoting and coordinating international postal services, enhancing operational efficiency, and ensuring accessibility for all. Its mission is to guarantee that individuals everywhere can access high-quality postal services, irrespective of their geographical location.

To achieve this, the UPU establishes regulations and standards that govern the exchange of international mail, thereby improving the speed and reliability of postal services. Additionally, the UPU encourages member countries to modernize their postal systems, making them more efficient, sustainable, and adaptable to the evolving global landscape.

India, being one of the oldest members of the UPU and having the largest postal network in the world, has played an integral role in the Union's activities and development. India's participation in the UPU reflects its commitment to enhancing global postal services and supporting the growth of postal infrastructure in less developed regions. In recent years, India Post has been working on the lines of UPU to modernize postal services by promoting e-commerce and digital financial services, improving tracking and tracing systems for mail and packages, and enhancing the security and reliability of postal services through the use of advanced technologies. The Department of Posts, Government of India has been instrumental in sharing its expertise and resources to help other countries improve their postal systems. This collaborative approach aligns with the UPU's mission to foster international cooperation and ensure that the benefits of an efficient postal network are accessible to all.

To commemorate the UPU's 150th anniversary, the Department of Posts, Government of India is proud to release a special set of three postage stamps. These commemorative stamps celebrate the UPU's rich history and its enduring impact on global communication. They serve as a tribute to the Union's achievements and its ongoing efforts to connect people around the world. The stamps not only honor the UPU's legacy but also reflect the significance of postal services in bridging distances and fostering understanding among nations. They symbolize the shared values of cooperation, innovation, and inclusivity that underpin the UPU's work.

Credits:

Stamps/FDC/Brochure/: Shri Anuj Kumar

Cancellation Cachet

Text : Referenced from content available on UPU website

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा

India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग

DEPARTMENT OF POSTS

विश्व डाक संघ की 150वीं वर्षगांठ

150th Anniversary of Universal Postal Union



विवरणिका BROCHURE

विश्व डाक संघ की 150वीं वर्षगांठ

विश्व डाक संघ (यूपीयू) की स्थापना 9 अक्तूबर, 1874 को बर्न, स्विट्ज़रलैंड में हुई। इस वर्ष, यूपीयू अपनी स्थापना की 150वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल यूपीयू की चिरस्थायी विरासत को उजागर करती है बल्कि आधुनिक डाक सेवाओं को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। यूपीयू की स्थापना इसके सदस्य देशों के बीच एक ऐसे डाक क्षेत्र का निर्माण करने के लिए की गई थी, जिसमें मेल का परस्पर आदान–प्रदान सुचारु रूप से किया जा सके। यूपीयू, प्रारंभिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक है, और इसकी स्थापना डाक सेवाओं के संबंध में वैश्विक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

यूपीयू की स्थापना का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मेल डिलिवरी की सुविधा हेतु मानकीकृत डाक विनियमों और पद्धतियों की आवश्यकता था। 192 सदस्य देशों के साथ यूपीयू, डाक क्षेत्र के विभिन्न संगठनों के बीच परस्पर सहयोग का सर्वप्रमुख मंच है। साथ ही यह, अत्याधुनिक उत्पादों और सेवाओं वाला वैश्विक डाक नेटवर्क प्रदान करने में भी मदद करता है। यूपीयू की स्थापना से पहले, एक देश से दूसरे देश में मेल भेजने का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। विभिन्न देशों की अपनी–अपनी डाक प्रणाली, दरें और विनियम थे, जिसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय पत्र–व्यवहार पेचीदा और खर्चीला कार्य था।

यूपीयू के संगठनात्मक ढांचे में **कांग्रेस, प्रशासनिक परिषद, डाक प्रचालन परिषद, परामर्शदात्री समिति तथा अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो** शामिल हैं। यूपीयू के ये महत्वपूर्ण अंग, यूपीयू का सुचारू कार्यान्वयन और मॉनीटरिंग सुनिश्चित करते हैं।

विश्व डाक संघ (यूपीयू), अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं को बढ़ावा देने और समन्वय स्थापित करने, प्रचालन दक्षता बढ़ाने तथा सभी के लिए डाक सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी भू–भाग में रह रहे व्यक्ति के लिए उच्च–गुणवत्ता वाली डाक सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करना यूपीयू का मिशन है।

इस मिशन को पूरा करने के लिए यूपीयू, अंतरराष्ट्रीय मेल के आदान–प्रदान संबंधी नियम और मानक तैयार करता है, जिसके फलस्वरूप डाक सेवाओं की स्पीड और विश्वसनीयता में सुधार होता है। इसके अतिरिक्त, यूपीयू अपने सदस्य देशों को अपनी डाक प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करता है, ताकि डाक प्रणाली को और अधिक कुशल एवं सततता के सिद्धांत पर आधारित बनाते हुए बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप ढाला जा सके।

यूपीयू के सबसे पुराने सदस्य देशों में से एक और दुनिया का सबसे बड़े डाक नेटवर्क वाला देश होने के नाते, भारत ने विश्व डाक संघ की तमाम गतिविधियों और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूपीयू में भारत की भागीदारी, वैश्विक डाक सेवाओं के विस्तार और अल्प विकसित क्षेत्रों में डाक संबंधी बुनियादी अवसंरचना के विकास में सहयोग करने की इसकी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है। हाल के वर्षों में, भारतीय डाक, डाक सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए यूपीयू के मिशन के अनुरूप कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत ई–कॉमर्स और डिजिटल वित्तीय सेवाओं का प्रचार–प्रसार, मेल और पैकेजों के लिए ट्रैकिंग और ट्रेसिंग सिस्टम में सुधार तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों की मदद से डाक सेवाओं की सुरक्षा और विश्वसनीयता में विस्तार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। डाक विभाग, भारत सरकार ने अन्य देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता और संसाधनों को साझा कर उनकी डाक प्रणाली को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और कुशल डाक नेटवर्क के लाभ सभी के लिए सुलभ बनाना सुनिश्चित करने के यूपीयू के मिशन के अनुरूप है।

डाक विभाग, भारत सरकार यूपीयू की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर तीन डाक–टिकटों का एक विशेष सेट जारी करते हुए गर्व का अनुभव करता है। ये स्मारक डाक–टिकट, यूपीयू के समृद्ध इतिहास और वैश्विक संचार पर इसके चिरस्थायी प्रभाव के प्रतीक हैं। ये डाक–टिकट, विश्व डाक संघ की उपलब्धियों और विश्वभर के लोगों को संपर्क के सूत्र में पिरोने के इसके सतत प्रयासों को रेखांकित करते हैं। ये डाक–टिकट, न केवल यूपीयू की विरासत के प्रति सम्मान के सूचक हैं बल्कि विभिन्न देशों के बीच की दूरियों को मिटाने और आपसी समझ को बढ़ावा देने में डाक सेवाओं के महत्व को भी दर्शाते हैं। स्मारक डाक–टिकटों का यह सेट, परस्पर सहयोग, नवोन्मेष और समावेशिता के साझा मूल्यों को परिलक्षित करता है, जिससे यूपीयू की मूल भावना प्रतिध्वनित होती है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे पाठ : श्री अनुज कुमार

: यूपीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध सामाग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख	: 09.10.2024
Date of Release	: 09.10.2024
मूल्यवर्ग	: 1500, 1500, 1500 पैसे
Denomination	: 1500, 1500, 1500 p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 111350
Stamps Printed	: 111350
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00